PROGRAMME PROJECT REPORT

कार्यक्रम परियोजना विवरण

शिक्षा मे स्नातक (Bachelor of Education)

Programme Code: BED

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA

School of Education

शिक्षा मे स्नातक (Bachelor of Education)

Programme Code: BED

विश्वविद्यालय: एक परिचय (University: An Introduction)

प्रस्तावना (Introduction)

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के व्यापक दर्शन की पृष्ठभूमि पर वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1987 में राजस्थान राज्य सरकार शासन अधिनियम संख्या 35 - 1987 द्वारा इस उद्देश्य से की गयी कि तमाम ज्ञान और कला-कौशल की 'स्वयं सीख पाने' की विविध विधाओं द्वारा सक्षमता लोगों तक पहुँचायी जा सके। आरम्भ में इस विश्वविद्यालय को कोटा खुला विश्वविद्यालय **के** रूप में स्थापित किया गया था| 21 सितम्बर, 2002 से इसका नाम बदलकर वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय **किया गया**| विश्वविद्यालय अपनें अनेक नूतन, समसामयिक एवं उपयोगी शैक्षणिक कार्यक्रमों को सम्प्रेषण के नवीनतम प्रयोगों तथा सम्पर्क सत्रों द्वारा अधिक सुदृढ़ बनाता रहा है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य इस राज्य के त्वरित विकास एवं उन्नयन हेतु प्रशिक्षित एवं विभिन्न कौशलों में दक्ष उपयोगी मानव संसाधनों का विकास करना है। इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य रहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता से कभी भी किसी भी स्तर पर कोई समझौता न किया जाय। व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा में तीव्रता से हो रहे बदलाव को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय नें अपने पाठ्यक्रमों को इस प्रकार पुनर्गठित किया है कि रोज़गार एवं स्व-रोज़गार के नित नये द्वार खुल सकें। विश्वविद्यालय मुख्य रूप से स्त्रियों, जनजातियों तथा मुख्य धारा से अलग वर्गों के शैक्षिक उन्नयन हेतु कटिबद्ध है। विश्वविद्यालय के निरन्तर होते विस्तार से इसकी पहुँच आज इस राज्य के सुदूरवर्ती एवं दुर्गम स्थलों तक जा पहुँची है। विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संगठनों से सहमति अनुबन्ध पत्र (एम0ओ0यू0) हस्ताक्षरित करके व्यवस्था की गयी है कि तमाम ज्ञान और संसाधनों का जनहित में मिलजुल कर उपयोग किया जा सके। विश्वविद्यालय का मूल चिन्तन है कि विकास के सभी महत्वपूर्ण कारकों को गुणकारी उच्च शिक्षा द्वारा प्रतिष्ठित कर राज्य ही नहीं देश की सेवा में लाया जा सके। विश्वविद्यालय ने 7 क्षेत्रीय केन्द्र अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा एवं उदयपुर में स्थापित किये गए हैं,जहाँ से सम्बद्ध लगभग 82 अध्ययन केन्द्रों द्वारा पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

उद्देश्य (Objectives)

- उच्च शिक्षा के प्रजातात्रीकरण के उद्देश्य से शिक्षा प्राप्ति के इच्छुक सभी समूहों, रोजगार प्राप्त व्यक्तियों, महिलाओं, विशेष योग्य जन एवं वयस्कों को शिक्षा प्राप्ति का अवसर प्रदान करना।
- कम कीमत पर गुणात्मक एवं रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना।
- प्रदेश के उच्च शिक्षा से वंचित दूरस्थ क्षेत्रों, आदिवासी एवं मरूस्थलीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना।

प्रमुख विशेषताएँ (Salient Features)

- प्रवेश सम्बन्धी लचीले नियम।
- UG व PG कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री, अतिरिक्त विषय में BA, एवं B. Sc.।

- शिक्षार्थी को उसकी अपनी अध्ययन क्षमताओं और सुविधाओं के अनुरूप अध्ययन के अवसर उपलब्ध करवाना।
- अगली कक्षा में प्रवेश हेतु परीक्षा में उत्तीर्ण होने की बाध्यता नहीं।
- शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में मन पसंद विषय चुनने की अधिक स्वतंत्रता।
- आधुनिक संचार और शैक्षणिक तकनीकी का उपयोग।
- दूरस्थ शिक्षार्थियों की मदद के लिये विद्यार्थी सहायता सेवाओं का संचालन।
- ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, ऑनलाइन परीक्षा प्रवेश पत्र (Admit Card) ।
- डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, IMPS एवं ई- मित्र से शुल्क जमा करने की सुविधा ।
- वेबसाइट पर प्रश्न बैंक, सत्रीय कार्य ।
- वेबसाइट में स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) एक सुविधा है जिससे विद्यार्थी अपने से सम्बद्ध समस्त जानकारी स्कॉलर नंबर एवं जन्म तिथि एंटर कर प्राप्त कर सके ।
- स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) से ही परिचय पत्र प्राप्त करने की सुविधा ।
- विद्यार्थी जिज्ञासा समाधान शिविर ।
- वेबसाइट पर डिजीटल अध्ययन सामग्री की उपलब्धता।
- वेबसाइट पर मल्टीमीडिया आधारित व्याख्यान की उपलब्धता।

शिक्षा विद्यापीठ :

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के **सतत शिक्षा विद्यापीठ** के अंतर्गत शिक्षा विभाग को क्रमोन्नत कर वर्ष 2014 में विश्वविद्यालय के पांचवें विद्यापीठ के रूप में **'शिक्षा विद्यापीठ (School of Education)'** को वैधानिक स्वीकृति मिली| शिक्षा विद्यापीठ, विश्वविद्यालय की स्थापना से ही विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं प्रकृति के संपोषणीय विकास व एक नागरिक तथा ज्ञान समाज के निर्माण हेतु व अधिकाधिक शिक्षकों व शिक्षक प्रशिक्षकों की आवश्यकता की पूर्ति हेतु सदैव प्रयत्न करता रहा है । शिक्षा विद्यापीठ ने अपने उपयोगी पाठ्यक्रमों में पौर्वात्य एवं पाश्चात्य शिक्षक शिक्षा सम्बन्धी ज्ञान की परंपरा का कुशल समायोजन किया है | शिक्षा विद्यापीठ के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है :-

१. शिक्षा में विद्या वारिधि (पीएच.डी.)
२. विशिष्ट शिक्षा में विद्या वारिधि (पीएच.डी.)
३. शिक्षा में स्नातकोत्तर [कला (एम.ए. एजुकेशन)]
४. मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर
५. स्नातक शिक्षा (बी.एड.)
६. स्नातक [कला (शिक्षा एक विषय के रूप में)]
७. स्नातक [कला (मनोविज्ञान एक विषय के रूप में)]
८. निर्देशन परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीसी)
९. स्नातक [कला एडीशनल (शिक्षा)]
१०. स्नातक [कला एडीशनल(मनोविज्ञान)]

प्रमुख अनुदेशन सेवाएँ:

१. मुद्रित अनुदेशन सामग्री, २. परामर्श सत्र, ३. विशेष परामर्श सत्र, ४. प्रायोगिक सत्र, ५. वेब रेडियो , ६. ऑनलाइन वीडियो लेक्चर, ७. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा, ८. ईमेल संवाद सेवा, ९. दूरभाष सेवा, १०. मूडल आधारित अनुदेशन , ११. ग्रंथालय, १२. ई-लाइब्रेरी

Programme Project Report – PPR

Name of the School: School of Education

Name of the Programme: Bachelor of Education (B.Ed.)

S. N.	Parameter	Details
1	Programme's mission & objectives	**उद्देश्य (Objectives):** • सेवारत अध्यापकों में व्यावसायिक दक्षताओं का विकास करना। • सेवारत अध्यापकों में उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों के विभिन्न प्रकार के अधिगम अनुभवों का विकास करना। • सेवारत अध्यापकों में अधिगम प्रक्रिया के स्वभाव की समझ विकसित करना। • सेवारत अध्यापकों में छात्रों के अकादमिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को समझने की दक्षताओं का विकास करना। • सेवारत अध्यापकों में कक्षा में प्रयुक्त होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं और गृह कार्य तकनीकों की समझ विकसित करना। • सेवारत अध्यापकों में कक्षा में प्रयुक्त उपकरणों के चुनाव एवं प्रयोग का कौशल विकसित करना। • सेवारत अध्यापकों में विद्यालय प्रबंधन विभिन्न पहलुओं की समझ को विकसित करना। • सेवारत अध्यापकों में विभिन्न अनुदेशात्मक और छात्र सहायता गतिविधियों से संबंधित दक्षताओं का विकास करना। • सेवारत अध्यापकों में कक्षा में प्रयोग होने वाले अधिगम संबंधित नवाचार की जानकारी प्राप्त करना। •
2	Relevance of the program with VMOU's Mission and Goals	वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के विजन एवं मिशन के अनुरूप एक विषय के रूप में 'शिक्षा एवं शैक्षिक प्रक्रियाओं को समझने' के लिए अध्येताओं को समान अवसर एवं उत्तम शिक्षा मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम से नवाचार युक्त शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग करते हुए उपलब्ध कराना जो एक समावेशी समाज के निर्माण में सहायक हो सके
3	Nature of prospective target group of learners:	सेवारत प्राईमरी कक्षाओं को पढाने वाले अध्यापक जो निम्नलिखिततीनो योग्यताऐ एक साथ रखते हो- **1.**किसी भी राजकीय/गैर राजकीय (मान्यता प्राप्त) विद्यालय में वर्तमान में प्राइमरी कक्षाओं (कक्षा 1 से 5 अथवा कक्षा 1 से 8)

			को पढ़ाने वाले अध्यापक हों। **2.**जिन्होंने नियमित रीति से बी.एस.टी.सी.(**B.S.T.C.**)/ डी. एल.एड. (**D.El.Ed.**) इत्यादि द्विवर्षीय प्राइमरी अध्यापक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम जो एन.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त है उत्तीर्ण किया हुआ हो। **3.**स्नातक/स्नातकोत्तर (कला/विज्ञान/वाणिज्य) परीक्षा सामान्य वर्ग न्यूनतम 50 प्रतिशत , बी.टेक स्नातक (विज्ञान गणित विशेषज्ञता के साथ) सामान्य वर्ग न्यूनतम 55 प्रतिशत से उत्तीर्ण हों। राजस्थान के अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग तथा विधवा एवमं तलाकशुदा महिला अभ्यर्थियों को उक्त स्नातक/स्नातकोत्तर अर्हता प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी। **नोट** — शिक्षण अनुभव में न्यूनतम दो वर्ष के अनुभव की बाध्यता नहीं है केवल वर्तमान में अध्यापक होना पर्याप्त है, लेकिन पूरी बी.एड. के दौरान भी वह अध्यापक रहना चाहिए। 1. वही विद्यार्थी स्नातकोत्तर विषय का उल्लेख करे जिनका स्नातक में वांछित प्रतिशत (सामान्य वर्ग 50 प्रतिशत, आरक्षित वर्ग 45 प्रतिशत) नहीं है और स्नातकोत्तर में है यह वांछित प्रतिशत है। 2. यदि किसी विद्यार्थी ने दो विषयों में स्नातकोत्तर कर रखा है तो उसी स्नातकोत्तर विषय का उल्लेख करें (जिससे संबंधित शिक्षण विषय बी.एड. में लेना है।) 3. जिन विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंक तालिका में CGPA ग्रेड मिला है वे अपने विश्वविद्यालय से उस ग्रेड को प्रतिशत में बदलवाकर प्रेषित करें तथा इस आशय का प्रमाण पत्र काउंसिलिग के समय प्रस्तुत करें। नोट - अभ्यर्थी प्रवेश फार्म भरने के समय से लगातार अध्यापक होना चाहिए। प्रवेश योग्यता NCTE द्वारा निर्धारित की जाती है, जो समय-समय पर परिवर्तित की जाती है। अतः प्रवेश से पहले विद्यार्थी अपनी योग्यता जाँच अवश्य कर लें।
4	Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence	सेवारत रूचि शिक्षा एवं शिक्षण प्रक्रिया में है उन्हें शिक्षा एवं शिक्षण प्रक्रिया का ज्ञान प्रदान करना इस कार्यक्रम का उद्देश्य है जो मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रभावी रूप से दी जा सकती है क्योंकि इसके लिए विश्वविद्यालय न्यू मीडिया आधारित माध्यमों का प्रभावी प्रयोग भी करता है एक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय होने के कारण सभी के लिए नामांकन, परीक्षाओं आदि के लचीले नियम हैं साथ ही कोई अध्येता अपनी नियमित आजीविका सम्बन्धी कार्यों को जारी रखते हुए भी	

		अपनी शिक्षा जारी रखते हुए अपनी उत्पादकता एवं अपना ज्ञानवर्धन कर सकता है
5	Instructional Design	

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):

कुल क्रेडिट : 75

BED I Year (प्रथम वर्ष)

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Courses)

क्रं सं (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम को (Course Cod
1.	Childhood and Growing Up (बचपन एवं विकास)	BED 101
2.	Contemporary India and Education (समकालीन भारत और शिक्षा)	BED 102
3.	Language across the Curriculum (पाठ्यक्रम में भाषा)	BED 103
4.	Understanding Disciplines and Subjects (अनुशासन एवं विषयों का अवबोध)	BED 104
5.	Reading and Reflecting on Texts (EPC) (मूल पाठों का पठन एवं उनकी मीमांसा)	BED 105
6.	Learning and Teaching (अधिगम एवं शिक्षण)	BED 106
7.	Assessment for Learning (अधिगम प्रक्रिया का आकलन)	BED 113
8.	Drama and Art in Education (EPC) (शिक्षा में अभिनय एवं कला)	BED 114
(Select any one from BED - 107 to BED -112 & BED 131) जो अपने स्नातक स्तर पर कोई एक चयनित विषयBED - 107 to BED -112 & BED 131		
9.	Pedagogy of General Science (सामान्य विज्ञान का शिक्षण शास्त्र)	BED 107
10.	Pedagogy of Mathematics (गणित का शिक्षण शास्त्र)	BED 108
11.	Pedagogy of Social Science (सामाजिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र)	BED 109
12.	Pedagogy of Hindi (हिन्दी का शिक्षण शास्त्र)	BED 110
13.	Pedagogy of English (अंग्रेजी का शिक्षण शास्त्र)	BED 111

14.	Pedagogy of Sanskrit (संस्कृत का शिक्षण शास्त्र)	BED 112
15.	Pedagogy of Financial Accountancy (वित्तीय लेखांकन का शिक्षण शास्त्र)	BED 131
	BED II Year (द्वितीय वर्ष)	
16.	Knowledge and Curriculum (ज्ञान एवं पाठ्यक्रम)	BED 115
17.	School Internship (विद्यालयी प्रशिक्षण)	BED116*
18.	Gender, School and Society (जेंडर, विद्यालय एवं समाज)	BED 117
19.	Creating an Inclusive School (समावेशित विद्यालय का निर्माण)	BED 118
20.	Critical Understanding of ICT (EPC)(सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का समालोचनात्मक अवबोध)	BED 133
21.	Understanding the Self (EPC)(स्व-अवबोध)	BED 134
	(Select any one from BED - 119 to BED -132) कोई एक चयनित विषय BED - 119 to BED	
22.	Vocational/Work Education (व्यावसायिक/ कार्य शिक्षा)	BED 119
23.	Health and Physical Education (स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा)	BED 120
24.	Peace Education (शान्ति शिक्षा)	BED 121
25.	Guidance and Counselling (निर्देशन एवं परामर्श)	BED 122
26.	Pedagogy of Physics (भौतिकी का शिक्षण शास्त्र)	BED 123
27.	Pedagogy of Chemistry (रसायनशास्त्र का शिक्षण शास्त्र)	BED 124
28.	Pedagogy of Biology (जीवविज्ञान का शिक्षण शास्त्र)	BED 125
29.	Pedagogy of Geography (भूगोल का शिक्षण शास्त्र)	BED 126
30.	Pedagogy of History (इतिहास का शिक्षण शास्त्र)	BED 127
31.	Pedagogy of Civics (नागरिकशास्त्र का शिक्षण शास्त्र)	BED 128
32.	Pedagogy of Economics (अर्थशास्त्र का शिक्षण शास्त्र)	BED 129
33.	Pedagogy of Home Science (गृहविज्ञान का शिक्षण शास्त्र)	BED 130
34.	Pedagogy of Business Organisation	BED 132

	व्यावसायिक संगठन का शिक्षण शास्त्र	

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र : 4
प्रायोगिक (कम्प्यूटर प्रायोगिक) : 1
प्रायोगिक (फाइनल लेसन) : 1
प्रोजेक्ट : 1
शिक्षण अभ्यास : प्रथम शिक्षण विषय पर 18 पाठ जो कक्षा 6 से 8 में से किसी एक कक्षा के विद्यार्थियों को पढाने है। (36 अंक)

द्वितीय शिक्षण विषय पर 12 पाठ जो कक्षा 9 से 10 में से किसी एक कक्षा के विद्यार्थियों को पढाने हैं। (24 अंक)

बी एड द्वितीय वर्ष हेतु वैकल्पिक विषय: अपने स्नातक/ स्नातकोत्तर के विषयों को ध्यान में रखते हुए विज्ञान, भाषा एवं कला तथा सामाजिक अध्ययन (जैसा भी लागू हो) के अनुसार कोई एक चुनें। ध्यान दें आपको सिर्फ एक वैकल्पिक विषय ही चुनना है | यदि BED 123 से BED 132 में आपका विषय उपलब्ध नहीं है तो आप BED 119 से 122 तक में किसी एक विषय का चयन करें। ऐसी स्थिति में आपका शिक्षण विषय तो BED 119 से BED 122 में से कोई एक जो आप चयन करेंगे वह रहेगा। लेकिन ये विषय विद्यालयी शिक्षण विषय नहीं है। अत: द्वितीय द्वितीय शिक्षण विषय के 12 पाठ आपको कक्षा 9 से 12 किसी एक कक्षा को लेकर प्रथम चयनित शिक्षण विषय में ही पढ़ाने होंगे। जिन विद्यार्थियों का स्नातक/स्नातकोत्तर में अथवा राजनीति विज्ञान विषय रहा है उन्हें द्वितीय शिक्षण विषय के रूप में BED 128 "नागरिकशास्त्र का शिक्षण शास्त्र" विषय लेना होगा।

For Any Stream किसी भी विषय से संबंधित हो	BED 119	Vocational/Work Education (व्यावसायिक/ कार्य शिक्षा)
	BED 120	Health and Physical Education (स्वास्थ्य एवं शारीरिक शि
	BED 121	Peace Education (शान्ति शिक्षा)
	BED 122	Guidance and Counselling (निर्देशन एवं परामर्श)
Science विज्ञान	BED 123	Pedagogy of Physics (भौतिकी का शिक्षण शास्त्र)
	BED 124	Pedagogy of Chemistry (रसायनशास्त्र का शिक्षण शास्त्र)
	BED 125	Pedagogy of Biology (जीवविज्ञान का शिक्षण शास्त्र)
Language & Arts भाषा एवं कला	BED 126	Pedagogy of Geography (भूगोल का शिक्षण शास्त्र)
	BED 127	Pedagogy of History (इतिहास का शिक्षण शास्त्र)
	BED 128	Pedagogy of Civics (नागरिकशास्त्र का शिक्षण शास्त्र)
	BED 129	Pedagogy of Economics (अर्थशास्त्र का शिक्षण शास्त्र)
	BED 130	Pedagogy of Home Science (गृहविज्ञान का शिक्षण शास्त्र
Commerce वाणिज्य	BED 132	Pedagogy of Business Organization (व्यावसायिक संगठ

अध्ययन पद्धति (Study Pattern)

इस विश्वविद्यालय में शिक्षण पद्धति पारंपरिक विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जा रही कक्षा अध्ययन पद्धति से भिन्न है। खुला विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति स्व-अधिगम पर आधारित है। यह एक अध्येता-केन्द्रित पद्धति (Learner Centred) है। इस कारण इस पद्धति में विद्यार्थियों पर सक्रिय अध्ययन का उत्तरदायित्व अधिक होता है। इस बहुआयामी मुक्त शिक्षण-अध्ययन पद्धति में निम्नलिखित तत्त्व सम्मिलित हैं:-

- भारत एवं विश्व के विश्वविद्यालयों के योग्यतम शिक्षकों द्वारा

		तैयार की गई उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्य सामग्री प्रत्येक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को प्रदान की जाती है। • स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातक उपाधि एवं कुछ अन्य चयनित कार्यक्रमों में सतत् मूल्यांकन की दृष्टि से सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य की व्यवस्था। इससे विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययनरत और अभ्यासरत रहने की प्रेरणा मिलती है। • दृश्य-श्रव्य माध्यमों द्वारा योग्यतम विद्वानों के व्याख्यान एवं विचार। • अध्ययन केन्द्रों पर अकादमिक परामर्शदाताओं के साथ सप्ताहांत विचार विमर्श की कक्षायें। • फोन-इन-रेडियो और काउंसलिंग माध्यम द्वारा उत्तम गुणवत्ता के परामर्श-सत्र । • समय समय पर आयोजित छात्र समस्या समाधान शिविर द्वारा विद्यार्थी एवं शिक्षक में संवाद । • विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा सत्र पर्यन्त शंका समाधान शिविर का आयोजन। • विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक के माध्यम से स्वयं परीक्षा हेतु अभ्यासरत रहने का प्रयास। • एस० एल० एम० (SLM) प्रारूप में प्राप्त पाठ्यसामग्री के साथ साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पाठ्यसामग्री का डिजिटलाइज्ड रूप और वीडियो व्याख्यान की सुविधा भी विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) में उपलब्ध । https://online.vmou.ac.in/Admission_Statusway.aspx **स्व-अध्ययन सामग्री (Self Learning Material):** विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को त्वरित रूप से मुद्रित स्व-अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभिन्न इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक इकाई के प्रारम्भ में इकाई की रूपरेखा दी गयी है जिसमें इकाई के उद्देश्य एवं प्रस्तावना के अतिरिक्त सम्पूर्ण जानकारी छोटे-छोटे एवं शीघ्र समझ में आ सकने वाले अनुच्छेदों में है। इसमें जगह-जगह पर

		स्वगृह कार्य प्रश्न एवं निर्धारित स्थान पर अभ्यास प्रश्न भी दिये गये हैं, जिससे विद्यार्थी अपनी प्रगति को स्वयं जाँच सकता है। प्रत्येक इकाई के अंत में सारांश, शब्दावली एवं कुछ उपयोगी पुस्तकों की सूची भी दी जाती है । वर्तमान में अध्ययन सामग्री का डिजिटाइजेशन कर ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा समस्त विषयों से सम्बद्ध वीडियो व्याख्यान (Vedio Lecture) तैयार करवाये गये है जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in एवं उसके यू टयूब चैनल vmouonline पर उपलब्ध है।

अकादमिक कालदर्शिका (Academic Calender)

गतिविधियां	प्रवेश सत्र- जुलाई	प्रवेश सत्र- जनवरी
प्रवेश प्रारम्भ की तिथि	1 जुलाई से 31 अगस्त	1 जनवरी से 28/29 फरवरी
क्षेत्रीय केंद्र एवं अध्ययन केंद्र परिवर्तन की अंतिम तिथि	प्रवेश की अंतिम तिथि से 30 दिनों में	
पाठ्य सामग्री प्रेषण की अंतिम तिथि	15 अक्टूबर	15 अप्रैल
विद्यार्थियों का आमुखीकरण	अक्टूबर माह में	अप्रैल माह में
परामर्श /शिक्षण कक्षाएं *	15 अक्टूबर से 30 अप्रैल	15 अप्रैल से 31अक्टूबर
प्रायोगिक परीक्षाएँ *	16 अप्रैल से 30 मई तक	16 अक्टूबर से 20 दिसम्बर तक
आंतरिक गृह कार्य/ प्रोजेक्ट जमा करवाने की तिथि	15 मई तक (जिन्हें जून परीक्षा में सम्मिलित होना हैं)	15 नवम्बर तक (जिन्हें दिसंबर परीक्षा में

				सम्मिलित होना हैं)
		सैद्धान्तिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन (केवल ऑनलाइन)प्रस्तुत करने की तिथि	1 अप्रैल से 30 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)	1अक्टूबर से 31 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)
		प्रायोगिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन (केवल ऑनलाइन)प्रस्तुत करने की तिथि *	1 अप्रैल से 15 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)	1अक्टूबर से 15 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)
		वेबसाइट पर परीक्षा अनुमति पत्र जारी करने की तिथि	25 मई	15 दिसम्बर
		परीक्षा प्रारंभ होने की तिथि	1 जून	21 दिसम्बर
		वेबसाइट पर परिणाम घोषित करने की तिथि	परीक्षा समाप्त होने के पश्चात् लगभग 60 कार्य दिवसों के भीतर	
		अंकतालिका प्रेषित करने की तिथि	परीक्षा परिणाम जारी होने के पश्चात् लगभग 20 के भीतर	
		पुनर्मूल्यांकन के आवेदन (केवल ऑनलाइन) की तिथि	परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् 15 दिन के भीतर	
		उपाधि प्रेषण	प्रशासनिक निर्णय के अनुसार	
		परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स (केवल ऑनलाइन) एवं श्रेणी सुधार	1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक	1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक

<table>
<tr><td></td><td></td><td><table>
<tr><td>(केवल ऑफलाइन)</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स प्रायोगिक परीक्षा के लिये (केवल ऑनलाइन)*</td><td>1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक</td><td>1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>6</td><td>Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation</td><td>

प्रवेश प्रक्रिया ; (NCTE द्वारा निर्धारित 500 सीटों के लिए) : प्रवेश परीक्षा के माध्यम से (सत्र में एक बार जुलाई सत्र में प्रवेश जिसकी प्रवेश परीक्षा वर्ष अप्रैल – मई माह में आयोजित होगी इसके बाद काउंसलिंग के माध्यम से प्रवेश होगा)

अवधि (Duration) : न्यूनतम 2 वर्ष एवं अधिकतम 5 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम (Medium) : हिन्दी।

कुल क्रेडिट : 75

प्रवेश केवल जुलाई सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किये जाते हैं इस हेतु विश्वविद्यालय प्रमुख समाचार पत्रों में प्रेस विज्ञप्ति जारी करता है। ऑनलाईन प्रवेश हेतु विद्यार्थी ई—मित्र के माध्यम से या स्वयं आवेदन विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in पर कर सकता है।

बी.एड. प्रवेश परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी

- प्रवेश परीक्षा में किसी भी प्रकार का पाठ्यक्रम नहीं दिया जाता है। परंतु निम्नलिखित क्षेत्रों के आधार पर आवेदक की लिखित परीक्षा के माध्यम से उनकी अभिक्षमता की जाँच की जाएगी।
- बी.एड. प्रवेश परीक्षा में कुल पांच भाग होंगे।
  - a) मानसिक योग्यता (Mental ability)
  - b) शिक्षण अभिक्षमता (Teacher Aptitude)
  - c) सामान्य ज्ञान (General Awareness)
  - d) हिन्दी भाषा दक्षता (Language Proficiency (Hindi))
  - e) अंग्रेजी भाषा दक्षता Language proficiency (English)
- प्रश्न पत्र OMR सीट आधारित होगा। प्रश्न पत्र के सभी प्रश्न बहुविकल्पी होंगे । प्रत्येक प्रश्न के 4 विकल्प होंगे। अभ्यर्थी द्वारा सही उत्तर चुनकर (a,b,c,d में से कोई एक) प्रश्न संख्या के सामने दिए गए खाली स्थान (गोले) में भरा जायेगा। सही चुनाव को काला या नीला बाल पेन द्वारा गाढ़ा कर दिया जाएगा।
- प्रश्न पत्र अंग्रेजी व हिन्दी दोनों माध्यमों में होगा। (भाषा संबंधी प्रश्नों कोछोड़कर)।
- प्रवेश परीक्षा की अवधि तीन घंटा (3 घंटा) के होगी ।
- प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा और प्रश्न पत्र कुल450 अंकों का होगा।
- प्रत्येक भाग में 30 प्रश्न होंगे और प्रश्न पत्र में कुल पांच भाग होंगे अतः कुल150 प्रश्न होंगे।

</td></tr>
</table>

- सही उत्तर के पूरे 3 अंक दिये जायगें और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जायेगा।

The question paper shall consist of the following

Section A

Mental ability test shall consist of 30 objectives type (Multiple choices) question to test the following abilities:

(i) Reasoning
(ii) Imagination
(iii) Judgment & Decision Making
(iv) Creative Thinking
(v) Generalization
(vi) Drawing Inferences etc

Section B

Teacher Attitude and Aptitude shall consist of 30 objectives type (Multiple choices) question to test the following abilities:

1. Teaching profession
2. Teaching learning process – learner and teacher
3. Social involvement
4. Experimentations & Innovations pertaining to school activities
5. Professional Ethics etc.
6. Teacher abilities such as kindliness, co-cooperativeness, patience, fairness, wide interest, discipline Enthusiasm & optimism

Section C:

General Awareness shall consist of 30 objectives type (Multiple choices) question to test the following abilities:

1. Current (National & International) affairs
2. Indian History & Culture
3. India and its natural resources
4. Great India Personalities (Past and Present)
5. Environmental awareness
6. Awareness about Rajasthan

Section D

Language Proficiency (Hindi) consist of 30 objectives type (Multiple choice) question reading proficiency in Hindi language related to the following aspects:

(i) Spelling
(ii) Sentence structures (Simple & Compound)
(iii) Comprehension/Unseen Passage
(iv) Functional Grammar
(v) Vocabulary

(vi) Correct Language usage

Section E:

Language proficiency (English) consists of 30-Objective type (Multiple choices) question regarding proficiency in English related to the following aspects:

(i) Spelling
(ii) Sentence structures (Simple & Compound)
(iii) Comprehension/Unseen Passage
(iv) Functional Grammar
(v) Vocabulary
(vi) Correct Language usage

Sample Question Paper

Mental Ability (मानसिक योग्यता)

Q.1 If in a symbolic language PRACTICE is written PICCTRAE, how will FLAMES be written in that Language:

(A) FEMALS (B) FALEMS (C) FMELAS (D) FALMES

यदि किसी सांकेतिक भाषा में PRACTICE को PICCTRAE लिखा जाता है तो उस भाषा में FLAMES को किस प्रकार लिखा जायेगा

(A) FEMALS (B) FALEMS (C) FMELAS (D) FALMES

Q. 2 the blank place has been indicated as '?' Out of the four alternatives, only one alternative satisfies a special relationship which has been indicating after :- (sign.) Select the right alternative

Sgm F: Emg X:: ?; Back

(a) Kca C (b) Ack B (c) K Ca B (d) K ca C

रिक्त स्थान में प्रश्न चिन्ह ? लगा है जिसमें प्रश्न के नीचे दिए गए विकल्पों में से केवल एक उस विशेष संबंधको संतुष्टकरता है जा प्रश्न में दिए गए : : (चिन्ह) के बांईओर लिखे दो पदों के बीच पाया जाता है। दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर ढूंढिए।

Sgm F: Emg X :: ?; Back

(a) Kca C (b) Ack B (c) K Ca B (d) K ca C

Q. 3 The bank spaces has been indicated as'?' Out of the four alternatives, only one satisfied a special relationship, which has been indicated after.

(sig,), Select the right alternative:

72: 110: : ? : 210

(a) 132 (b) 156 (c) 90 (d) 182

रिक्त स्थानों में प्रश्न चिन्ह? लगा है जिसमें प्रश्न के नीचे दिए गए चार विकल्पों में से केवल एक उस विशेष संबंधको संतुष्टकरता है जो प्रश्न में दिए गए : : (चिन्ह) के बांईऔर लिखे दो पदो के बीच पाया जाता है। दिए

गए विकल्पों में से सही उत्तर ढूंढिये।

72: 110:: ? : 210

(a) 132 (b) 156 (c) 90 (d) 182

शिक्षण अभिक्षमता Teacher Aptitude

Q. 1 Question in the classroom:

(a) Clarifies the Subject matter (b) Is wastage of time

© Develops inactivity (d) Creates indiscipline

कक्षा में प्रश्न पूछने से

(a) विषय वस्तु स्पष्ट होती है। (b) निष्क्रियता आती है।

(b) समय नष्ट होता है। (d) अनुशासन भंग होता है।

Q.2 while determining the aims of education maximum attentive should be paid to:

(a) Society and nation (b) Individual and society

© Society and religion (d) Future of the individual

शिक्षा का उद्देश्य निर्धारित करते समय सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए

(a) समाज और राष्ट्र (b) व्यक्ति और समाज (c) समाज और धर्म (d) व्यक्ति और भविष्य

Q. 3 Education develops:

(a) Body (b) Intelligence (C) Personality (d) Knowledge

शिक्षा विकसित करती है -

(a) शरीर (b) बुद्धि (C) व्यक्तित्व (d) ज्ञान

सामान्य ज्ञान General Knowledge

Q. 1 The capital of Russia is :

(a) Leningard (b) Moscow (c) New York (d) New Delhi

रूस की राजधानी है -

(a) लेनिनग्राद (b) मास्को (c) न्यूयार्क (d) नई दिल्ली

Q. 2 "Vijay Ghats' is associated with

(a) Jawaharlal Nehru (b) Lal Bahadur Shastri

(c) Mahatma Gandhi (d) Indira Gandhi

विजयघाट का संबंधहै

(a) जवाहर लाल नेहरू (b) लाल बहादूर शास्त्री (c) महात्मा गांधी (d) इन्द्रिरा गांधी

Q. 3Smallest Continent is:

(a) Asia (b) Africa (c) Europe (d) Australia

सबसे छोटा महाद्वीप है -

(a) एशिया (b) अफ्रीका (c) यूरोप(d) आस्ट्रेलिया

भाषा प्रवीणता - हिन्दी

प्रश्न 1 : सूरदास ने रचना की

(a) कामायनी (b) सूरसागर (c) रामचरित मानस (d) आंसू

प्रश्न 2 : गीत गोविन्द के रचियता थे -

(a) जयदेव (b) बिहारी (c) रसखान (d) रत्नाकर

प्रश्न 3 : बुद्धिमान शब्द का अर्थ है

(a) ज्ञानी (b) मेधावी (c) चतुर (d) कुशल

		Language Proficiency – English Every sentence given below has a blank space. Out of four words given, select the best word to fill up the blank space. 1. Children go to school in order to………… (a) Teach (b) Play (c) Study (d) Educate 2. I have lost my purse. Can I …………….Some money from you? (a) Lend (b) Hire(c) Bring (d) Borrow 3. He has promised me to…………………..into the matter (a) Look (b) Go (c) Consider (d) View **योग्यता : ऐसे अभ्यर्थी जो निम्नलिखित तीनों योग्यताएं एक साथ रखते हों:-** 1. **किसी राजकीय/गैर राजकीय (मान्यता प्राप्त) विद्यालय में वर्त्तमान में प्राइमरी कक्षाओं (कक्षा** 1 **से** 5 **अथवा कक्षा** 1 **से** 8**) को पढ़ाने वाले अध्यापक हों।** 2. **जिन्होंने नियमित रूप से बी.एस.टी.सी.** (B.S.T.C.)/ **डी.एल.एड.** (D.El.Ed.) **इत्यादि समकक्ष द्विवर्षीय प्राइमरी अध्यापक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम जो एन.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त है उत्तीर्ण किया हुआ हो।** 3. **स्नातक/स्नातकोत्तर (कला/विज्ञान/वाणिज्य) परीक्षा सामान्य वर्ग न्यूनतम** 50 **प्रतिशत, बी.टेक स्नातक (विज्ञान गणित विशेषज्ञता के साथ) सामान्य वर्ग न्यूनतम** 55 **प्रतिशत से उत्तीर्ण हों।** राजस्थान के अनुसूचित जाति /जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग , विशेष पिछड़ा वर्ग अथवा अति पिछड़ा वर्ग, द्विव्यांग तथा विधवा एवं तलाकशुद्धा महिला अभ्यर्थियों को उक्त स्नातक/स्नातकोत्तर अर्हता प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी। **नोट:— शिक्षण अनुभव में न्यूनतम दो वर्ष के अनुभव की बाध्यता नहीं है केवल वर्तमान में अध्यापक होना पर्याप्त है,लेकिन पूरी बी.एड. के दौरान भी वह अध्यापक रहना चाहिए।** **Fee Structure (पाठ्यक्रम शुल्क) :** प्रथम वर्ष शुल्क Rs. **26,880** द्वितीय वर्ष शुल्क : **26,880** (प्रथम वर्ष के उपरान्त। द्वितीय वर्ष के प्रमोटी के रूप में ऑन लाइन फार्म भरते समय शुल्क की द्वितीय किश्त ली जायेगी।) **यदि राज्य सरकार इस शुल्क में कोई वृद्धि करती है तो उक्तानुसार शुल्क लिया जायेगा।**

Prog Code	Programme	Total Fee	Course Fee	Reg. Fee	Development Fee	Practical Camp Fee	Practical Exam Fee	Theory Exam Fee	Postal Charges

BED-I	Bachelor of Education (first year)	4700	3200	100	100	0	0	1200	100
BED-II	Bachelor of Education (second year)	4850	3050	100	100	0	0	1500	100

संपर्क शिविर (Camp/Workshop): NCTE के मानक के अनुसार बी.एड.पाठ्यक्रम में पंजीकृत विद्यार्थी को प्रति वर्ष में 6 दिनों की कार्यशाला में अपने आवंटित अध्ययन केंद्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। इस कार्यशाला में शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी अन्यथा विद्यार्थियों को सत्रांत परीक्षा में शामिल होने नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक वर्ष की कार्यशाला मई /जून माह में आयोजित की जाएगी अर्थात ग्रीष्मकालीन अवकाश में आयोजित की जाएगी । यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित कार्यशाला में अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति पूरी नहीं कर पाता है तो वह अगले वर्ष की कार्यशाला में डिफाल्टर फीस जमा कराकर अपनी शत-प्रतिशत उपस्थिति पूरी कर सत्रांत परीक्षा में शामिल हो सकता है।

विद्यालयी प्रशिक्षण योजना :(internship)

विद्यालयी प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 क्रेडिट का है जिसके लिए आपको विद्यालय एवं समुदाय में न्यूनतम 15 सप्ताह कार्य करना है और निर्देशानुसार रिपोर्ट तैयार करनी है। यह कार्य एवं रिपोर्ट आप द्वितीय वर्ष में जब से भी विद्यार्थी विद्यालय में आने लगे तब से लेकर आरम्भ कर सकते है। इसके अन्तर्गत 12 क्षेत्रों की गतिविधियां है जिसका निर्धारित समय और उसमें क्या करना है आगे के अध्यायों में इसका विस्तृत विवरण दिया जा रहा है।

नीचे दी गई सारणी का अवलोकन करें

द्यालयी प्रशिक्षण के मुख्य पद	प्रत्येक पक्ष से की जाने वाली गतिविधि	आवंटित समय
ालयी अध्यापकों समुदाय के ों एवं विद्यार्थियों से अन्त:क्रिया ारित रिपोर्ट	1. अध्यापकों से अन्त: क्रिया 2. समुदाय से अन्त:क्रिया 3. विद्यार्थियों से अन्त: क्रिया	एक सप्ताह (सितम्ब प्रथम सप्ताह)
/समुदाय के अवलोकन आधारित र्ट	किसी गांव की सामाजिक भौतिक, आर्थिक संस्कृति शैक्षिक वातावरण अवलोकन आधारित विवरण तैयार करना	एक सप्ताह (सितम्ब द्वितीय सप्ताह)
ालय की अवलोकन रिपोर्ट	विद्यालय के संगठन, दर्शन, मानवीय भौतिक संसाधन, सामाजिक आर्थिक स्थिति, एवं भौगोलिक वातावरण आधारित अवलोकन रिपोर्ट	एक सप्ताह (सितम्ब तृतीय सप्ताह)
ालय के प्रशासनिक कार्य में ीदार करते हुए रिपोर्ट तैयार करने	1. कक्षाओं के संचालन हेतु योजना 2. सभी प्रकार के रिकोर्ड और फाइलों का संधारण 3. मिड डे मिल अथवा इसके समकक्ष चल रही गतिविधियों की योजना	दो सप्ताह (सितम्ब चतुर्थ एवं अक्टूब प्रथम सप्ताह)
ालय की सहशैक्षिक गतिविधयों ागीदारी एवं उस पर आधारित र्ट तैयार करना	1. प्रात: कालीन प्रार्थना सभा संचालन की योजना 2. जागरूकता कार्यक्रम की योजना 3. खेलकूद गतिविधियों की योजना एवं भागीदारी 4. सांस्कृतिक गतिविधियों की योजना एवं भागीदारी (ड्रामा,	दो सप्ताह (अक्टूबर द्वितीय एव तृतीय सप्ताह)

		वाद विवाद, गीत, संगीत, क्विजए एन सीसी, एनएसएस, स्काउट गाईड, कैम्प इत्यादि)	
6	कक्षा कक्ष के अवलोकन रिपोर्ट	विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक शैक्षिक प्रोफाईल तैयार करना उनकी भौतिक, मानसिक, संवेगात्मक आश्यकताओं के ध्यान में रखते हुए। इसके अन्तर्गत पाठ्यक्रम विषयवस्तु की गुणवत्ता, आंकलन शिक्षण अधिगम की परिस्थितियों को भी सम्मिलित करना है।	एक सप्ताह (नवम्बर प्रथम सप्ताह)
7	विद्यार्थियों की विविधतापूर्ण आवश्यकताओं का आंकलन और उसी अनुरूप व्यूह रचनाओं का निर्माण	1 शिक्षण का आंकलन 2 शैक्षिक क्षेत्र में अधिगम का आंकलन 3 सह शैक्षिक क्षेत्र में अधिगम का आंकलन	एक सप्ताह (नवम्बर द्वितीय सप्ताह)
8	सहपाठी अवलोकन	छात्राअध्यापक के शिक्षण का उन्ही के साथियों द्वारा अवलोकन एवं रिपोर्ट तैयार करना	प्रथम शिक्षण अभ्यास के दौरान नवम्बर माह में
9	अध्यापक अवलोकन रिपोर्ट	छात्राअध्यापक के शिक्षण का उसके मेण्टर शिक्षक द्वारा किये गये अवलोकन की रिपोर्ट	
10	अध्यापक के पाठ का विद्यालय के अन्य साथी अध्यापकों द्वारा अवलोकन	छात्राध्यापक के मेण्टर के अलावा विद्यालय के अन्य किसी अध्यापक द्वारा पाठ का अवलोकन	
11	प्रथम ब्लॉक शिक्षण अभ्यास निर्मितवाद उपागम का उपयोग करते हुए उच्च प्राथमिक कक्षाओं का शिक्षण	आपके द्वारा चयन किये गये प्रथम शिक्षण विषय में से 18 पाठों का शिक्षण (एक पाठ अर्थात् एक दिन का विद्यालयी कालांश)	तीन सप्ताह (नवम्बर तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम सप्ताह)
12	द्वितीय ब्लॉक शिक्षण निर्मितवादी उपागम का उपयोग करते हुए	आपके द्वारा चयन किये गये द्वितीय शिक्षण विषय में से 12 पाठों का शिक्षण (एक पाठ अर्थात एक दिन का विद्यालयी कालांश) यदि आपका द्वितीय शिक्षण विषय बी .एड.119 से 122 में से कोई एक है तो आपको द्वितीय शिक्षण विषय हेतु निर्धारित 12 पाठ प्रथम शिक्षण विषय की इकाइयों में से चयन करके कक्षा 9 अथवा 10 में पढ़ाने होंगे |	दो सप्ताह (दिसम्बर प्रथम एवं द्वितीय सप्ताह)
13	फाइनल लेसन	फाइनल लेसन - प्रथम शिक्षण विषय (कक्षा 6 से 8) में किसी एक कक्षा हेतु एक पाठ का प्रदर्शन जिसका आन्तरिक एवं ब्राह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन	बी.एड. द्वितीय वर्ष के फरवरी माह में फाइनल लेसन संभावित

प्रेक्टिस टीचिंग : -

BED 116 प्रश्न पत्र के अन्तर्गत प्रेक्टीस टीचींग एवं अन्य विद्यालयी प्रायोगिक कार्य द्वितीय वर्ष में अगस्त से दिसम्बर के मध्य विद्यार्थी को किसी उच्च प्राथमिक अथवा माध्यमिक विद्यालय में यह कार्य करना होगा। प्रथम विषय में 18 पाठ द्वितीय विषय में 12 पाठ देने होगें। विस्तृत विवरण BED 116 की संदर्शिका में दिया हुआ है।

फाइनल लेसन – वह विद्यार्थी जो 30 पाठ एवं इंटर्नशिप के सभी घटक पूरे कर लेगा। उसे ही फाइनल लेसन देने दिया जाएगा जो द्वितीय वर्ष फरवरी एवं मार्च में सामान्तया: आयोजित होगा।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern)

आंतरिक कार्य (सत्रीय कार्य) : प्रत्येक विषय (BED 105, BED 114, BED 116, BED 133 तथा BED 134 को छोड़कर) जिनका पूर्णांक 100 है, उनमें आंतरिक कार्य 30 अंकों का तथा जिसका पूर्णांक 50 है उनमें आंतरिक कार्य 15 अंकों का होगा।

BED 105, BED 114, BED 116, BED 134 विद्यालयी गतिविधियों से संबंधित है, इन विषयों की उपलब्ध पुस्तकों में दिये निर्देशों के अनुरूप विद्यालय में गतिविधि करके प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनानी होगी जिसे 15 मई तक प्रवेश विवरणिका में दिये गए निर्देश के अनुसार जमा कराना होगा। BED 133 कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा द्वितीय वर्ष के संपर्क शिविर की समाप्ति के अगले दिन आयोजित होगी|

सत्रांत (मुख्य परीक्षा): प्रत्येक सत्र के अंत में 100 पूर्णांक वाले विषय में 70 अंक तथा 50 पूर्णांक वाले विषय में 35 अंक के लिए विद्यार्थी को क्रमशः तीन घंटे की लिखित परीक्षा देनी होगी। विद्यार्थियों को दोनों परीक्षाओं में अलग-अलग (आंतरिक एवं सत्रांत) उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। किसी भी विषय में उतीर्ण होने के लिए न्यूनतम 36% अंक आंतरिक एवं सत्रांत परीक्षा दोनों में अलग-अलग लाना अनिवार्य होगा। परन्तु आंतरिक एवं सत्रांत दोनों को मिलाकर 36% अंक लाने वाला विद्यार्थी ही उत्तीर्ण माना जाएगा। अंक तालिका में सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य एवं सत्रांत परीक्षा के अंकों को अलग-अलग दर्शाया जायेगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी-

प्रथम श्रेणी – 60% एवं अधिक

द्वितीय श्रेणी - 48% एवं 60% से कम

उत्तीर्ण - 36% एवं 48% से कम

Letter Grade Chart for Calculating CGPA/YGPA

लेटर ग्रेड Letter Grade		ग्रेड प्वाइंट Grade Point	समग्र समतुल्य अंक M (100 अंकों में से) Equivalent overall Marks M (out of hundred)
O	Outstanding	10	$90 \leq M \leq 100$
A+	Excellent	9	$80 \leq M < 90$
A	Very Good	8	$70 \leq M < 80$
B+	Good	7	$60 \leq M < 70$
B	Above Average	6	$55 \leq M < 60$
C+	Average	5.5	$50 \leq M < 55$
C	Below Average	5	$45 \leq M < 50$
D^{+}	Marginal	4.5	$40 \leq M < 45$
D	Pass	4	$36 \leq M < 40$
NC	Not Completed	0	$25 \leq M < 36$
E	Poor	0	$10 \leq M < 25$
H	Very Poor	0	$0 \leq M < 10$

यदि विद्यार्थी NC, E, H ग्रेड प्राप्त करता है तो उसे NC (Not Completed) माना जायेगा तथा उसे पुन: परीक्षा देनी होगी ।

निम्नलिखित प्रकार से विद्यार्थी का वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत (Yearly

		Grade Point Average (YGPA)) तथा संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (Cumulative Grade Point Average (CGPA)) की गणना की जायेगी। YGPA हेतु विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट को उस विषय के क्रेडिट अंक से गुणा करके योग को कुल ग्रेड प्वाइंट से भाग देने पर प्राप्त होगा अर्थात् YGPA = $\sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$ जहां पर C_i क्रेडिट अंक हैं तथा G_i उस विषय में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है। 10 Point स्केल पर CGPA की गणना निम्न सूत्र द्वारा की जायेगी $CGPA = \frac{\text{Cumulative points secured in all passed courses}}{\text{Cumulative earned credits}} = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$ YGPA तथा CGPA की गणना दशमलव के बाद दो अंकों तक की जायेगी।
7	Requirement of the laboratory support Requirement of the Library Resources	इस कार्यक्रम हेतु किसी भी प्रकार की प्रयोगशाला संम्बन्धी आवश्यकता नहीं है। पुस्तकालय सेवाएं (सन्दर्भ पुस्तकें): विश्वविद्यालय के पास सन्दर्भ पुस्तकों के लिए केंद्रीय पुस्तकालय उपलब्ध है जहाँ बैठकर विद्यार्थी उनका लाभ उठा सकता है साथ ही कार्यक्रम समन्वयक के द्वारा विद्यार्थियों को समय समय पर निर्देशन एवं परामर्श भी दिया जाता है।
8	Cost estimate of the programme and the provisions	Cost of preparation of self learning material (SLM), printing and supply, delivery through Counseling and conducting of examination and evaluation through full proof mechanized system is followed as per laid down guidelines of the university. The cost is incurred as per guidelines approved by statutory bodies of the university for curriculum design, course preparation, printing, postal dispatch, counseling sessions evolution and examination along with certification of the degree.
9	Quality assurance mechanism and expected programme outcomes	Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) is monitoring, improving and enhancing effectiveness of the program through the following: • Annual academic audit • Feedback analysis for quality improvement • Regular faculty development programs • Standardization of learning resources • Periodic revision of program depending upon the changing Trends